Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 02, 23 सितम्बर, शुक्रवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

सीए के घर से सात लाख की नकदी व जेवरात चोरी

नई दिल्ली। हजरत निजामुद्दीन थाने के तहत भोगल में रहने वाले एक चार्टड एकाउंटेंट के घर ताला की चाबी बनाने आए शातिर दो बदमाशों ने सात लाख रूपए की नकदी व जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपियों की तस्वीरे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई लेकिन अब तक आरोपियों को पकड़ना तो दूर उनकी पहचान भी उजागर नहीं हो पाई है। बहरहाल पुलिस ने इस बाबत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पेशे से चार्टड एकाउंटेट अनुपम गोयल भोगल के बाजार लेन में सपरिवार रहते हैं। बुधवार की दोपहर उनके घर पर मां राजरानी गोयल मौजूद थी। इस बीच दो शातिर व्यक्ति ताला की चाबी बनाने के बहाने उनके घर आए और आलमीरा के सेफ की चाबी बनाए जाने के दौरान करीब तीन लाख नकद तथा चार लाख रूपए के जेवरात लेकर चंपत हो गए।

सातवीं के छात्र ने फांसी लगा दी जान

पूर्वी दिल्ली। नंद नगरी क्षेत्र में सातवीं कक्षा के छात्र ने फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान विवेक (14) के तौर पर हुई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वारदात से कुछ देर पहले छात्र ट्यूशन से लौटा था। खेलने के बाद विवेक ने फांसी लगा ली। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ट्यूटर, परिजनों व उसके दोस्तों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।पुलिस के अनुसार विवेक परिवार के साथ नंदनगरी डी-2, 223 में रहता था। परिवार में पिता पुरु षोत्तम, मां शारदा, एक भाई व दो बहनें हैं। वह शशि पब्लिक स्कूल में सातवीं कक्षा का छात्र था। बुधवार शाम विवेक ट्यूशन पढ़ने गया था। वहां से आने के बाद वह कुछ देर अपने दोस्तों के साथ खेला और घर वापस आ गया। कुछ देर बाद परिजनों ने उसे पंखे से लटका हुआ देखा। परिजन उसे फंदे से उतारकर नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि उसे ऐसी क्या परेशानी हुई कि उसने फांसी लगा ली।

फैशन डिजाइनर को बंधक बना महीनों किया दुष्कर्म

आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में

पूर्वी दिल्ली। आरोपी प्यार का दावा करके शादी का दबाव बनाने लगा थावीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ले गया था अपने कमरे परयुवती के परिजनों को झूठी सूचना दी कि उनकी बेटी ने नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली कल्याणपुरी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को निजी कंपनी में फैशन डिजाइनर युवती को बंधक बनाकर महीनों तक दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। आरोपी उसकी कंपनी में काम करने वाला एक दोस्त है। आरोपी ने धोखे से पीड़िता को अपने कमरे पर बुलाया था और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बंधक बना लिया था। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। इस बीच आरोपी ने युवती के परिजनों को उसकी मौत की झूठी कहानी सुनाते हुए कहा कि वह नहर में डूब गई। युवती ने किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर मामले की जानकारी पुलिस को दी। आरोपी फैशन इंजीनियर शैलेंद्र को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भी भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवती कल्याणपुरी क्षेत्र में रहती है। उसके पिता दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर बताए जाते हैं। युवती एक फैशन कंपनी में एग्जीक्यूटिव थी। वहीं उसकी मुलाकात फैशन इंजीनियर शैलेंद्र से हुई और दोनों में दोस्ती हुई। आरोप है कि शैलेंद्र उससे प्यार का दावा करके शादी का दबाव बनाने लगा। गत मई माह में एक दिन शैलेंद्र ने उसे फोन कर कहा कि वह अपने हाथों की नसें काटने जा रहा है, जिसके चलते युवती उससे मिलने उसके नोएडा स्थित घर चली गई। आरोप है कि वहां बेहोशी की दवा मिली कोल्डड्रिंक पिलाकर आरोपी ने दुष्कर्म किया और वीडियो बना ली। उसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमैल करता रहा। गत 25 अगस्त को युवती को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर जबरदस्ती बदरपुर स्थित अपने कमरे पर ले गया।

स्वामी स्वरूपानंद का दावा खारिज:

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, 3 महीने में नियुक्त हो ज्योतिष्पीठ का नया शंकराचार्य

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य पद पर स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की नियुक्ति को सही नहीं माना है और तीन माह के अंदर नए शंकराचार्य की नियुक्ति का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि तीन माहीने के दरमियान बाकी तीन पीठों के शंकराचार्य मिलकर ज्योतिष्पीठ के लिए योग्य शंकराचार्य का चयन करेंगे।

कोर्ट ने स्वामी वासुदेवानंद को भी शंकराचार्य मानने से इनकार कर दिया। यानी ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य पद पर दोनों स्वामी स्वरूपानंद और स्वामी वासुदेवानंद का दावा खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ज्योतिष्पीठ को लेकर दीवानी अदालत की स्थायी निषेधाज्ञा नई नियुक्ति तक बरकरार रहेगी। कोर्ट ने सरकार से कहा कि लोगों को फर्जी बाबाओं से बचाने के लिए कदम उठाएं।

ज्योतिष्पीठ-बदरिकाश्रम के शंकराचार्य पद को लेकर स्वरूपानंद सरस्वती व वासुदेवानंद सरस्वती के बीच विवाद पर हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया।

महीनों चली बहस के बाद हाईकोर्ट के जस्टिस सुधीर अग्रवाल एवं जस्टिस केजे ठाकर की खंडपीठ ने इसी वर्ष तीन जनवरी को सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित कर लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को इस विवाद के शीघ्र निस्तारण का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में हाईकोर्ट ने लगातार दिन-प्रतिदिन सुनवाई की।गौरतलब है कि दीवानी अदालत ने पांच मई 2015 को ऐतिहासिक निर्णय देकर स्वामी वासुदेवानंद द्वारा स्वयं को ज्योतिष्पीठ-बदरिकाश्रम का शंकराचार्य घोषित को अवैध करार दिया था। यही नहीं निचली अदालत ने शंकराचार्य स्वरूपानंद के दावे को स्वीकार कर यह भी आदेश दिया था कि वासुदेवानंद सरस्वती न तो अपने को

ज्योतिष्पीठ का शंकराचार्य घोषित करेंगे और न ही शंकराचार्य पद के लिए विहित क्षत्र, चंवर व सिंहासन का प्रयोग ही करेंगे। निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ स्वामी वासुदेवानंद ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल करके निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। साथ ही अधीनस्थ अदालत के आदेश पर रोक लगाने की मांग की लेकिन पहले हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें किसी भी प्रकार का अंतरिम आदेश देने से इंकार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में अपना अंतिम फैसला ही सुनाएगी।

विदेशी महिला से छेड़छाड़ में शिक्षक गिरफ्तार

नई दिल्ली। सैदुलाजाब में फ्रांसीसी महिला से छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। विदेशी महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी हिंदी टीचर राम रछपाल (40 साल) को गिरफ्तार कर लिया है। रछपाल अपने घर सैदुलजाबाद में उसे हिंदी पढ़ाता था। पुलिस के मुताबिक फ्रांसीसी महिला टूरिस्ट वीजा पर भारत आई थी और शाहपुर जाट में रहती थी। इंटरनेट के जरिए उसकी जान-पहचान हिंदी टीचर राम रछपाल से हुई थी। इसके बाद पीड़िता गत 10 अगस्त से उससे हिंदी पढ़ने लगी। कुछ दिन बाद महिला को अकेला पाकर उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर वह क्षमा मांग लेता था। पीड़िता के अनुसार आरोपी टीचर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था। वह उससे उसके साथ घूमने, सिनेमा देखने व रेस्तरां चलने को कहता था। एक दिन उसने महिला को बताया कि वह ध्यान और योग के बारे में भी जानता है। उसने विदेशी महिला को कुछ योग स्त्रि5या भी करके दिखाई। एक दिन उसने उससे योग करने को कहा। वह जब योग क्रिया करती तो गलत बता दोबारा करने को कहता था। इस दौरान उसकी फोटो खींचता और गलत मंशा से उसके शरीर को छूता था। कोर्स खत्म होने के तीन दिन पहले गत नौ सितम्बर को उसने महिला के साथ जोर जबरदस्ती की। जब वह उसके चंगुल से निकलकर भागने लगी।

एलजी का महिला सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली। उपराज्यपाल ने राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर करने के लिए उपलब्ध तकनीक के ज्यादा उपयोग पर बल दिया जिसमें डाटा विश्लेषण व सीसीटीवी लगाने पर जोर दिया गया। राजधानी के बार्डर इलाकों में भारी अतिक्रमण हटाने को उपराज्यपाल ने कहा कि नगर निगमों को ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर काम करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। साथ ही सभी स्ट्रीट लाइट पर नजर रखने के लिए आईआईआईटी दिल्ली के साथ सहयोग कर तकनीकी समाधान निकाला जाना चाहिए जिससे अपराध से प्रभावित इलाकों में भी प्रभावी ढंग से कानून व्यवस्था लागू किया जा सके। उपराज्यपाल की समीक्षा बैठक में दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त व परिवहन आयुक्त उपस्थित थे। बैठक में अधिकारियों ने उपराजयपाल को बताया कि स्थानीय पुलिस ने ट्रैफिक पुलिस व पीसीआर के साथ मिलकर 19,742 संयुक्त समूह बनाकर चेकिंग किया जिसके प्रभाव बेहतर प्रभाव मिले। जिलों से डार्क स्पॉट का डाटा एकत्र किया गया और इसको दिल्ली सरकार में भेजा गया। साथ ही लोगों को डार्क स्पॉट के बारे में लगातार जानकारी दी जा रही है। लड़कियों को अपनी सुरक्षा के लिए तैयार करने हेतु ज्यादा से ज्यादा कैंप आयोजित किए जा रहे हैं 607 ट्रेनिंग कैंप में 119943 लड़कियों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

उपराज्यपाल ने आदेश दिया कि स्कूल कार्यक्रम में आत्मसुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की जानी चाहिए। उन्होंने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव डा. एमएम कुट्टी को इसके कार्यन्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए।

दिल्ली पुलिस द्वारा कम्युनिटी पुलिस के क्षेत्र में उठाए गए विभिन्न कदमों जैसे युवा, मित्र, पहचान आदि के बारे में र्चचा करते हुए इसके लिए आगे संशोधन और सुधार के लिए तीसरे पक्ष द्वारा इसके नियमित मूल्यांकन की जरूरत पर बल दिया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा एप्प व हेल्पलाइन नम्बर के लिए उठाए गए प्रयास जनता की जागरूकता और लाभ के लिए अधिक प्रचारित होने चाहिए।

गुस्से में डेढ़ साल की बच्ची को पटक कर मार डाला

नई दिल्ली। जामिया नगर इलाके में रहने वाले एक कलियुगी पिता ने बच्ची की हत्या कर नाले में शव फेंक दिया। मामले की जानकारी मिलने के करीब 56 घंटे की मशक्कत के बाद स्थानीय पुलिस ने बच्ची के शव को क्षत विक्षत हालत में बरामद कर आरोपी को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपी की पहचान राशिद जमाल के रूप में हुई और उसके खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस उपायुक्त रोमिल बानिया ने बताया कि जामियानगर के शाहीनबाग में मोफिदा बेगम अपने परिवार के साथ रहती है। उसका पति राशिद जमाल अक्सर नशे में पत्नी तथा बच्चों से झगड़ा करता था। 19 सितम्बर को आरोपी ने मामूली बात पर अपने बड़े बेटे को पीटना शुरू कर दिया। कहासुनी के दौरान नशे में राशिद ने अपनी डेढ़ साल की बच्ची को उठाकर जमीन पर पटक दिया। लेकिन स्थानीय लोग मौके पर पहुंचते इससे पहले ही आरोपी जख्मी बच्ची को लेकर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पिटाई भी की गई। इस जानकारी पर पुलिस के साथ-साथ फायर, एनडीआरएफ,क्यूआरटी व गोताखोरों की मदद से बच्ची की शव को तलाशने का प्रयास किया गया लेकिन बच्ची की शव बरामद नहीं हो पाया। एसएचओ संजीव कुमार की टीम ने इस केस में जब बच्ची के अपहरण का मुकदमा दर्ज कर उसके पिता से गहन पूछताछ की गई तब उसने बताया कि वह बच्ची को किसी अन्य नाले में फेंक आया है। इस जानकारी के बाद पुलिस टीम मौके पर जाकर बच्ची के गायब होने के 56 घंटे बाद आखिरकार उसका शव सड़ी हालत में शव बरामद किया। पुलिस ने इस मामले में हत्या और हत्या की कोशिश की धारा को भी शामिल कर जांच प्रारंभ कर दी है।

प्रदेश भाजपा में चरम पर पहुंची गुटबाजी

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा में गुटबाजी का मुद्दा अब शीर्ष नेतृत्व के दरबार में पहुंच गया है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजय वर्गीय ने इसको लेकर एक रिपोर्ट तैयार की है और वह उसे जल्द ही शीर्ष नेतृत्व को सौपेंगे। उन्होंने प्रदेश के नेताओं से अलग-अलग बात करके प्रदेश भाजपा पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। खासबात यह है कि पिछली राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने प्रदेश के नेताओं को हिदायत दी थी, कि अब उनकी शिकायत मिलने पर सीधे कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय महासचिव ने जो रिपोर्ट तैयार की है, उसमें प्रदेश भाजपा के नेताओं में गुटबाजी हावी होने का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। दरअसल प्रदेश की गुटबाजी को लेकर अरसे से शिकायतें मिल रही थी। पार्टी की पिछली राष्ट्रीय कार्यकारिणी में यह मामला प्रमुखता से उठा था, लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष की हिदायत के बाद भी नेताओं के कान पर जूं नहीं रेंगी और वह एक दूसरे के विरुद्ध आज भी काम कर रहे हैं। इस तरह की शिकायतों को लेकर ही शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश भाजपा नेताओं पर रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रमों की भी नहीं थी एक गुट को पहले से जानकारी

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा में शीर्ष नेतृत्व से शुरू हुई गुटबाजी अब नीचे के कार्यकर्ताओं तक साफ दिखने लगी है। स्थिति यह हो गई कि पार्टी के कार्यकर्ता अब उन्हीं नेताओं के कहने पर काम करते हैं, जो उनके गुट के हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर तो यह स्थिति देखने को मिली कि पार्टी के बड़े नेताओं के कार्यक्रमों की जानकारी प्रदेश के कुछ प्रमुख पदाधिकारियों को भी नहीं थी। हालांकि पार्टी ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर राजधानी भर में तमाम कार्यक्रम आयोजित किए, लेकिन स्वच्छता के नाम पर केवल खानापूर्ति ही की गई। खासबात यह है कि पार्टी की ओर से मीडिया को भी जानकारी नहीं दी गई। प्रदेश भाजपा में अब गुटबाजी चरम पर पहुंच गयी है। सूत्रों की मानें तो शुरू में यह गुटबाजी प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी एवं प्रदेश प्रभारी श्याम जाजू के बीच शुरू हुई थी। हालांकि इस मुद्दे पर श्याम जाजू और संगठन महामंत्री सिद्धार्थन के बीच अच्छा सामंजस्य है। शीर्ष नेताओं की यह गुटबाजी अब साफ-साफ नीचे तक दिखने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर को यह गुटबाजी हर जगह दिखी। करोलबाग जिले में पार्टी का प्रमुख रूप से बड़ा कार्यक्रम था, जहां केंद्रीय वित्तमंत्री अरुण जेटली को आना था। कार्यक्रम की जानकारी भी पार्टी के एक बड़े पदाधिकारी को पहले से नहीं थी। प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सफाई, वृक्षारोपण एवं स्वास्थ्य शिविर लगाने की तैयारी थी, लेकिन एक भी कार्यक्रम ठीक से नहीं हो पाया। केवल वित्तमंत्री ने मात्र एक पौधा लगाया। अध्यक्ष ने एक छोटे से अस्पताल में जाकर रोगियों को फल बांट कर सिर्फ रस्म अदायगी की। प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर हुए कार्यक्रमों के बाद पार्टी के पदाधिकारी जगह-जगह कहते दिख रहे हैं कि एक गुट इस पूरे कार्यक्रम को खराब करने में लगा था।

अब जिलों में दिखने लगा गुटबाजी का असर

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रमों की भी नहीं थी एक गुट को पहले से जानकारी

बनिहाल आतंकी हमला : 30 घंटे में पकड़े दो आतंकी, एक जवान हुआ था शहीद

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के बनिहाल में बुधवार को सशस्त्र सीमा बल के काफिले पर हुए जानलेवा हमले में शामिल दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। गजनाफर और आरिफ को एसएसबी के काफिले पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हमले में एक जवान शहीद हो गया था जबकि एक अन्य घायल हो गया था। रामबन जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहन लाल ने बताया कि बनिहाल में एसएसबी के दल पर हुए हमले में शामिल दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। बनिहाल बेल्ट में विस्तत खोज अभियान के तहत पुलिस ने हमले के 24 घंटों के भीतर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारी ने कहा, एक एके राइफल और एस इंसास राइफल सहित दो सर्विस राइफल भी बरामद ककी गई हैं। हमले के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों से दोनों राइफल छीन ली थीं। उन्होंने कहा कि अकीब वाहिद के साथ दोनों इस हमले में शामिल थे। वाहिद की तलाश जारी है। इक्कीस वषीर्य गजनाफर अहमद और 22 वषीर्य अकीब वाहिद अनंतनाग के डिग्री कॉलेज में बीएससी के छात्र हैं। जबकि 25 वषीर्य आरिफ एक निजी कंपनी में काम करता था।

उपराज्यपाल ने वायु प्रदूषण की स्थिति पर की समीक्षा बैठक

बदरपुर थॅमल पावर स्टेशन 15 अक्टूबर को हो जाएगा बंद

नई दिल्ली। राजधानी में सर्दियों में वायु प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से बदरपुर थॅमल पावर स्टेशन 15 अक्टूबर से बंद कर दिया जाएगा। साथ ही प्रदूषण पर नियंतण्ररखने व इसकी निगरानी को ग्रेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू किया जाएगा। इसके तहत 20 वास्तविक समय निगरानी केन्द्र 15 अक्टूबर से चालू होंगे जो राजधानी के दूरदराज के इलाकों के प्रदूषण स्तर जानकारी देंगे। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वृहस्पतिवार को राजनिवास में समीक्षा बैठक की। इसमें पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन, मुख्य सचिव डा एमएम कुट्टी, शहरी विकास सचिव, परिवहन आयुक्त, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष, उत्तरी और पूर्वी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त व पर्यावरण सचिव उपस्थित थे। बैठक में वायु प्रदूषण कम करने के लिए अल्पावधि और दीर्घकालिक समाधानों के लिए रूपरेखा तैयार करने पर चर्चा हुई। इस दौरान पर्यावरण एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने उपराज्यपाल को जानकारी दी कि आने वाले त्योहारों को देखते हुए एन्टी फायर क्रैकर्स अभियान शुरू कर दिया गया है। इस पर उपराज्यपाल ने स्कूली बच्चों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए प्रयास करने को कहा। उपराज्यपाल को जानकारी दी गई कि सड़क से धूल नियंतण्र के लिए दक्षिणी दिल्ली नगर निगम में 12 मैकेनिकल रोड स्वीपर्स कार्यरत हैं। दो मैकेनिकल रोड स्वीपर्स खरीदे हैं जोकि एक सप्ताह के अन्दर काम करने लगेंगे जबकि उत्तरी दिल्ली नगर निगम में चार मैकेनिकल रोड स्वीपर्स कार्यरत हैं, इसके अलावा दो सप्ताह के अन्दर चार और मैकेनिकल रोड स्वीपर्स खरीदे जाएंगे। उपराज्यपाल को अफसरों द्वारा यह जानकारी भी दी गयी कि सड़कों पर साइन बोर्ड लगाए जाएंगे जिसमें संबंधित सड़कों के रखरखाव करने वाले अधिकारियों की पूरी जानकारी उपलब्ध होगी।

यह अक्टूबर के तीसरे सप्ताह तक पूरा हो जाएगा व इसके लिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय होगी।

उपराज्यपाल को बताया गया कि परिवहन विभाग द्वारा एक हजार पूरी तरह से सीएनजी निर्मित क्लस्टर बसों को मंजूरी दे दी गई है। उपराज्यपाल ने निर्देश दिए कि कालोनियों को अंतिम माइल कनेक्टिविटी प्रदान की जानी चाहिए। डीएमआरसी अंतिम माइल कनेक्टिविटी से निपटने के लिए एक सहायक कम्पनी की स्थापना कर रही है।

क्रोध से मूढ़ता उत्पन्न होती है, मूढ़ता से स्मृति भ्रांत हो जाती है, स्मृति भ्रांत होने से बुद्धि का नाश हो जाता है, और बुद्धि नष्ट होने पर प्राणी स्वयं नष्ट हो जाता है
-भागवत गीता

सरकार का प्रोत्साहन पैकेज

पहले प्रधानमंत्री द्वारा अर्थव्यवस्था के हालात को समझने एवं उसे दुरुस्त करने के लिए बुलाई गई बैठक और उसके बाद वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा कई बैठकों के बाद यह संकेत मिल रहा है कि सरकार एक प्रोत्साहन पैकेज लाने पर विचार कर रही है। वस्तुत: जो सूचना है; उसके अनुसार वित्त मंत्री ने पिछले दो दिनों में कई मंत्रियों के अलावा संबंधित विभागों के अधिकारियों, अर्थशास्त्रियों एवं उद्योगजगत व कारोबारियों से चर्चा की है। कहने की आवश्यकता नहीं कि इन सब चर्चाओं के केंद्र में अर्थव्यवस्था को शीघ्र पटरी पर लाना और उसे बनाए रखना है। सर्वविदित है कि हाल में आए सरकारी आंकड़ों में अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब दिखाई गई है। केंद्रीय सांख्यिकी संगठन के अनुसार वर्तमान वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास दर घटकर 5.7 प्रतिशत रह गई है। यह पिछले तीन साल में न्यूनतम है। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास दर 7.9 प्रतिशत थी, जबकि चौथी तिमाही में यह 6.1 प्रतिशत थी। इसका अर्थ हुआ कि आर्थिक विकास दर में लगातार गिरावट आ रही है। इससे यह भय पैदा हुआ है कि शायद विकास दर 7.5 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल न कर पाए। विदेश व्यापार के मामले में निर्यात के मोर्चे पर भी स्थिति निराशाजनक है। निर्यात में अपेक्षानुरूप वृद्धि नहीं हो रही है। औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि की रफ्तार भी धीमी है। इसका नतीजा यह है कि चालू खाते का घाटा वर्तमान वित्त वर्ष में अप्रैल से जून के दौरान बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद के 2.4 प्रतिशत हो गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह अनुपात सकल घरेलू उत्पाद के 0.1 प्रतिशत था। रोजगार सृजन पर भी असर पड़ा है। तो स्थिति ज्यादा बिगड़ जाए उसके पहले उसे संभालने के लिए कदम उठाने में ही बुद्धिमानी है। नोटबंदी एवं उसके बाद जीएसटी लागू करने के बाद अर्थव्यवस्था को फौरी तौर पर झटका लगना ही था। यह पैकेज अर्थव्यवस्था की गाड़ी को पटरी पर लाने के लिए होना चाहिए। वैसे विश्व बैंक ने भी कहा है कि जीएसटी को सफलतापूर्वक लागू करने के बाद भारत की विकास दर आठ प्रतिशत तक जा सकती है। इसके लिए एक साथ सभी आर्थिक सूचकों का अध्ययन कर कमियों का ठीक से मूल्यांकन कर धक्का देने के लिए पैकेज का ईंधन देना होगा।

खेल को प्राथमिकता

मैदान में परचम फहराने के लिए केंद्र सरकार की ताजा पहल सराहनीय है। सरकार ने तय किया है कि अब हर साल 1000 बच्चों का चयन किया जाएगा और प्रत्येक बच्चे पर हर साल पांच लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। स्वाभाविक है खेल को प्राथमिकता में रखने का वक्त आ गया है। अलबत्ता, चुनौतियां बेशुमार हैं। चूंकि कई देशों में बचपन में ही बच्चों को उसकी क्षमता और रुचि के आधार पर सलेक्ट कर लिया जाता है और गहन अभ्यास और दुरुगामी लक्ष्य को केंद्र बनाकर पदक के लिए तैयार किया जाता है। लेकिन हमारे यहां इस सोच का नितांत अभाव है। क्रिकेट के अलावा कोई दूसरा खेल भी है, इस तय को सिरे से खारिज किया जाता रहा है। नतीजतन हम फिस्ड्डी हैं। आमतौर पर क्रिकेट की दीवानगी वाले देश के तौर पर हमारी पहचान रही है। लेकिन बाकी खेलों में हमारी हालत बेहद खस्ताहाल है। एक अरब तीस करोड़ की आबादी वाले मुल्क में खेल की दयनीय स्थिति काफी कुछ सोचने को मजबूर करती है। जबकि पड़ोसी चीन की आबादी हमसे थोड़ी ही ज्यादा है। मगर खेल में उसने काफी बुलंदी हासिल की है। 1954 में चीन ने ओलंपिक में शिरकत की थी। किंतु उसकी झोली खाली रही। फिर 32 साल बाद 1984 में उसने 15 पदक हासिल किया। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां विभिन्न देशों ने खेल की दुनिया में पिछड़ेपन के बाद हैरत अंगेज वापसी की। और यह सब महज एक दिन में हासिल नहीं हुआ। सालों लग गए। योजनाएं बनाई गई, फिर खेल में भारी धन को झोंका गया, दुरुगामी लक्ष्य को साधा गया, खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया गया वगैरह-वगैरह। सरकार की ताजातरीन कोशिश प्रशंसा के योग्य है। मगर सिर्फ धन का निवेश ही खेल में हमें अव्वल नहीं बना देगा। इसके लिए ईमानदार सोच, खेल संस्थानों-कोचों की जवाबदेही के अलावा उस माहौल को रचना होगा, जो दुनिया के बाकी देशों ने काफी पहले रच डाला है। खेल में अच्छा प्रदर्शन सिर्फ पदक पाने भर नहीं होता बल्कि यह किसी भी देश की मानसिक अवस्था, सजगता, तंदरुस्ती और समृद्धि को भी प्रतिबिंबित करता है। दुर्भाग्य से पूर्व की सरकारों ने इस ओर से आंखें मूंद रखी थीं। हां, एकाध प्रयास जरूर अच्छे हुए परंतु व्यापक स्तर पर हमने जमीनी हकीकत को नजरअंदाज ही किया। खेल और खिलाड़ियों के प्रति धारणा में भी तब्दीली आई है। यानी ''जो खेलेगा वही खिलेगा।'

सत्संग

श्रेष्ठ बनाने का मतलब

जब भी शिक्षा की बात करते हैं, तो हमारे मन में बच्चों के बारे में ही विचार आते हैं। मुझे लगता है कि सबसे महत्त्वपूर्ण है शिक्षकों का विकास। शिक्षकों को लगातार अपना विकास करते रहना चाहिए। ऐसा नहीं है कि वे विकास के इच्छुक नहीं हैं। लेकिन न तो विकास के साधन हैं और न ही विकास के अवसर। बात सिर्फ यहां आकर खत्म हो जाती है-''मुझे पता है कि अपना विषय कैसे पढ़ाना है।' आप मेरी इस बात से सहमत होंगे कि आपके स्कूल के दिनों में जिस शिक्षक ने आपको सबसे ज्यादा दिलचस्पी व मौलिकता और नयेपन के साथ पढ़ाया था, अनजाने में वही आपका प्रिय विषय बन गया, चाहे वह गणित रहा हो या विज्ञान या फिर इतिहास। कोई भी विषय सुंदर नहीं होता, लेकिन एक शिक्षक उसे खूबसूरत अंदाज में पढ़ाकर रोचक बना सकता है। इसके लिए एक शिक्षक का विकास बेहद जरूरी है, और यह विकास सिर्फ पढ़ाने की क्षमता को लेकर ही नहीं होना चाहिए, बल्कि एक इंसान के तौर पर उसका भीतरी विकास भी जरूर होना चाहिए। अगर शिक्षक का भीतरी विकास नहीं होगा तो आज के दौर में जब सारी सूचना और जानकारी फोन पर उपलब्ध हो, तो जानकारी के मामले में शिक्षक का महत्त्व खत्म हो जाएगा। आज जानकारी हर जगह उपलब्ध है। ऐसे में आज शिक्षक से जिस चीज की जरूरत है, वह है प्रेरणा की। अगर शिक्षक को प्रेरक होना है, तो उसके लिए उसे खुद का विकास इस तरह करना होगा कि लोग स्वाभाविक रूप से उसका आदर करने लगें। वरना कोई भी इंसान अपनी मूर्खतापूर्ण बातों से लोगों के लिए प्रेरक नहीं बन सकता। आप चाहे जितना बोलना चाहें, बोल लें, कोई भी आपसे प्रेरित नहीं होने वाला। आपको किसी-न-किसी न रूप में एक उदाहरण बनना होगा। देश में शिक्षकों के आंतरिक विकास के लिए हमें बड़े पैमाने पर कुछ करने की जरूरत है, वरना हम लोग प्रेरणादायक शिक्षक तैयार नहीं कर पाएंगे। अगर हमने इंसानों को प्रेरित नहीं किया तो हम अपने पीछे अपने से कम प्रतिभाशाली पीढ़ी को छोड़कर जाएंगे। यह हर पीढ़ी की बुनियादी जिम्मेदारी है कि वो अगली पीढ़ी को अपने से बेहतर बनाए। अगर हम अपने से खराब पीढ़ी तैयार करते हैं, तो समझ लीजिए कि बतौर एक पीढ़ी हम नाकामयाब रहे। इतना ही नहीं, यह मानवता के प्रति एक अपराध है। तो इस तरह से जीवन का यह क्षेत्र बेहद महत्त्वपूर्ण है। शिक्षा जगत में आज कुछ नया करने की जरूरत है।

शक्ति परीक्षण पर रोक

संयोग से अभी मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु विधान सभा में शक्ति परीक्षण पर रोक लगा दिया है वरना इस दशहरे में वहां की राजनैतिक रामलीला में काफी कुछ हो जाता। पर अभी तक जो कुछ हुआ है वह भी कम नहीं है। एक तो शासक अन्नाद्रमुक के दोनों धड़े एक हो गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री पन्नीरसेल्वम और मुख्यमंत्री ई. पलानीस्वामी के बीच न सिर्फ मेल-मिलाप हो गया है बल्कि सत्ता और राजनीतिक ताकत का संतुलित बंटवारा हो गया है। दोनों ने मिलकर जयललिता की मित्र शशिकला को जेल में रखने के पक्के इंतजाम के साथ पार्टी से उनके प्रभाव को धो डालने की योजना पर काम शुरू कर दिया है।

सतीश पेडणोकर

जब तक तमिलनाडु की दोनों बड़ी पार्टियों में टूट-फूट नहीं होती, जब तक कोई बड़ा नेता बगावत करके भाजपा के पास नहीं पहुंचता, तब तक उसकी दाल गलती नहीं दिखती। पर एक चीज उसके पक्ष में जाती है-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पुराना काम। और उसके बढ़ते असर का ही प्रमाण है कि स्टालिन समेत दूसरे द्रमुक नेता उसके आयोजनों में जाने, धार्मिक भोज में हिस्सेदारी करने लगे हैं और धार्मिक कर्मकांडों के प्रति अब पहले वाला परहेज गायब हो रहा है हालांकि तमिलनाडु की राजनीति के सूत्र दिल्ली से जुड़े हैं पर यहां देश की राजधानी से अंदाजा नहीं लग सकता कि अभी सुदूर दक्षिण के एक महत्त्वपूर्ण प्रदेश की राजनीति में कितना कुछ चल रहा है। संयोग से अभी मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु विधान सभा में शक्ति परीक्षण पर रोक लगा दिया है वरना इस दशहरे में वहां की राजनैतिक रामलीला में काफी कुछ हो जाता। पर अभी तक जो कुछ हुआ है वह भी कम नहीं है। एक तो शासक अन्नाद्रमुक के दोनों धड़े एक हो गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री पन्नीरसेल्वम और मुख्यमंत्री ई. पलानीस्वामी के बीच न सिर्फ मेल-मिलाप हो गया है बल्कि सत्ता और राजनीतिक ताकत का संतुलित बंटवारा हो गया है। दोनों ने मिलकर जयललिता की मित्र शशिकला को जेल में रखने के पक्के इंतजाम के साथ पार्टी से उनके प्रभाव को धो डालने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। और इन सबकी सूत्रधार वह भाजपा और केंद्र सरकार मानी जाती है, जिसे अभी तो अन्नाद्रमुक के राज्य सभा के सदस्यों के समर्थन का लाभ होगा और भविष्य में रैशनिलस्ट आंदोलन का केंद्र रहे इस प्रदेश की राजनीति में पैर जमाने का अवसर मिलेगा। जाहिर है जब राज्य की सत्ता से लेकर राजनीति में इतना कुछ चल रहा है तो बाकी खिलाड़ी भी हाथ-पर-हाथ धरे नहीं बैठे हैं। पर हाईकोर्ट ने एक क्षेपक डाला है। उसने उन अठारह अन्नाद्रमुक विधायकों की अर्जी पर सदन में फ्लोर टेस्ट पर रोक लगा दी है, जिन्हें पिछले दिनों एकजुट हुए स्वामी-सेल्वम मंडली ने पार्टी से निकाल दिया था।

ये सभी शशिकला के समर्थक माने जाते हैं। पर दिनाकरण समर्थक जिन अठारह लोगों/विधायकों को बाहर किया गया और जिनकी विधायकी समाप्त करने की घोषणा विधान सभा अध्यक्ष ने की उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया और अदालत ने फ्लोर-टेस्ट पर रोक लगा दी है। सदन की गिनती के अनुसार इन विधायकों को निकालने के बाद सदन की कुल सदस्यता 234 से घटकर 216 रह जाएगी, जिसमें स्वामी-सेल्वम धड़े को बहुमत साबित करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। उसके पास 114 विधायकों का समर्थन है। अगर इन सभी का वोटिंग राइट रहा तब सरकार संकट में होगी क्योंकि तब विपक्ष के अविास प्रस्ताव पर बागियों की वोटिंग से सरकार गिर जाएगी, मगर जब तक बागी या शशिकला समर्थक विधायक पार्टी ह्विप का उल्लंघन नहीं करेंगे, उनकी सदस्यता रद्द करने का फैसला सही साबित करना मुश्किल है। पर खुद इस तरह के संकट को एक बार झेल चुके विधान सभा अध्यक्ष ने बहुत आगा-पीछा नहीं सोचा। उन्हें सरकार के साथ भाजपाई राज्यपाल और केंद्र सरकार के अंध समर्थन का भरोसा होगा। पर जब पार्टी टूटती है तब राजनीति या सरकार का संचालन सिर्फ अदालत और कानूनी लड़ाई से नहीं होता। सो शशिकला और दिनाकरण की राजनीति या जयललिता की विरासत पर उनका दावा सिर्फ इसी सहारे बच जाएगा, यह कहना मुश्किल है। लेकिन यह कहना आसान है तमिलनाडु की राजनीति में युगपरिवर्तन हो रहा है। जयललिता की मौत और उनके प्रतिद्वंद्वी रहे एम. करुणानिधि के बीमार और कमजोर पड़ने से तमिलनाडु की उस राजनीति का अंत हो गया लगता है, जो पिछले तीसेक साल से चल रही थी। इसमें पुरानी द्रविड़ और रैशनिलस्ट आंदोलन के अंश तो थे पर जयललिता और करुणानिधि ने खुद से काफी कुछ जोड़ा था। यह खबर भी आती/छुपती रहती है कि स्टालिन भी पूरे स्वस्थ नहीं हैं और करुणानिधि परिवार के झगड़े अन्नाद्रमुक के कम नहीं हैं। अन्नाद्रमुक की राजनीति को लेकर भी कम सवाल नहीं हैं क्योंकि अभी का सारा तमाशा तो उसके शक्ति समीकरणों को लेकर ही है। किंतु यह भी तय माना जा रहा है कि अब राज्य की पूरी राजनीति भी बदलेगी। द्रमुक-अन्नद्रमुक की प्रतिद्वंद्विता ने तीसरा कोण बनाने वाले कांग्रेस को भी समाप्त सा कर दिया है। लेकिन रजनीकांत और कमल हासन जैसे लोकप्रिय सिनेस्टार भी इस अवसर को ताड़ कर सक्रिय हो गए हैं। कभी दोनों के साथ उतरने की खबर आती है कभी आमने-सामने। गवांडियर सिनेमाई हीरो विजयकांत लगातार दस फीसद वोट लेकर अपनी उपस्थिति से सबको परिचित करा चुके हैं। इधर अचानक भाजपा और संघ परिवार तमिलनाडु को लेकर आक्रामक हुआ है। अभी के जिस संकट की चर्चा ऊपर हुई है, उसमें भाजपा की पर्याप्त भूमिका है। पर भविष्य के लिए उसके पास ज्यादा आक्रामक योजनाएं होंगी, जब राजनैतिक शून्य ज्यादा साफ दिखेगा। भाजपा राज्य की ओर से विधान सभा चुनाव के पहले यह दावा किया जा रहा था कि वह तीसरा कोण बनकर उभर रही है। लोक सभा चुनाव का उसका अनपेक्षित प्रदर्शन और उसके कार्यकर्ताओं का उत्साह भी इसका आधार था। अब भाजपा के लिए फिर से अवसर बनता जाने लगा है। खुद प्रधानमंत्री मोदी जिस तत्परता से जया की मौत के बाद चेन्नई गए और सभी से मिले, उसे इस दिशा में पहला कदम बताया जा रहा था। अभी शायद वह कुछ समय इंतजार करने और राज्य सभा सदस्यों के समर्थन भर से काम चलाएं। यह भी हो सकता है कि अन्नाद्रमुक एनडीए में आ जाए। पर साफ लगता है कि जब तक तमिलनाडु की दोनों बड़ी पार्टियों में टूट-फूट नहीं होती, जब तक कोई बड़ा नेता बगावत करके भाजपा के पास नहीं पहुंचता, तब तक उसकी दाल गलती नहीं दिखती। पर एक चीज भाजपा के पक्ष में जाती है-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पुराना काम। और उसके बढ़ते असर का ही प्रमाण है कि स्टालिन समेत दूसरे द्रमुक नेता उसके आयोजनों में जाने, धार्मिक भोज में हिस्सेदारी करने लगे हैं और धार्मिक कर्मकांडों के प्रति अब पहले वाला परहेज गायब हो रहा है। संघ के ध्वजा नमस्कार कार्यक्रम में हिस्सा लेने की मंत्रियों की तस्वीर छपने पर भी अब कोई हलचल नहीं होती। पर इस चीज के राजनैतिक शक्ति और वोट में बदलने की मशीनरी अभी भाजपा नहीं विकसित कर पाई है। लेकिन एक बड़े राजनैतिक शून्य का लाभ लेकर वह ऐसा कर ले यह एकदम संभव है। और वही सबसे ज्यादा सक्षम दिखती भी है। पर कौन सितारा कब क्या खेल कर दे यह कहना अभी मुश्किल है?

चलते चलते

नर्मदा बांध परियोजना

पहला दृश्य: आधी सदी से भी ज्यादा के विरोध-अवरोध के बावजूद बहुप्रतीक्षित सरदार सरोवर नर्मदा बांध परियोजना पूर्ण हो गई। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे देश को समर्पित किया। दूसरा दृश्य: देश-दुनिया में भारतीय इंजीनियरिंग का कमाल दिखाने के कुछ ही दिन बाद बिहार के भागलपुर में करीब 900 करोड़ की लागत से बना बांध परीक्षण के दौरान ही भरभराकर गिर गया। हालांकि दोनों ही परियोजनाओं में एकरूपता दिखती है।

बड़ी परियोजनाओं को लेकर सरकारें कितनी संजीदा होती हैं, इसका उदाहरण फकत दो अलहदा तथ्यों से जाना-समझा जा सकता है। पहला दृश्य: आधी सदी से भी ज्यादा के विरोध-अवरोध के बावजूद बहुप्रतीक्षित सरदार सरोवर नर्मदा बांध परियोजना पूर्ण हो गई। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे देश को समर्पित किया। दूसरा दृश्य: देश-दुनिया में भारतीय इंजीनियरिंग का कमाल दिखाने के कुछ ही दिन बाद बिहार के भागलपुर में करीब 900 करोड़ की लागत से बना बांध परीक्षण के दौरान ही भरभराकर गिर गया। हालांकि दोनों ही परियोजनाओं में एकरूपता दिखती है। वह है, रिकॉर्ड देरी का। सरदार सरोवर बांध को पूरा होने में जहां 56 साल लग गए, वहीं बिहार में बटेश्वर गंगा पम्प नहर परियोजन 40 साल बाद पूरी हुई। सीधा और सामान्य सा अर्थ, परियोजना के बजट में कई गुना वृद्धि। जहां सरदार सरोवर परियोजना पर करीब 65,000 करोड़ रुपये खर्च हुए। वहीं बटेश्वर गंगा पम्प नहर परियोजना पर 828.80 करोड़ का खर्च आया। यह परियोजना 1977 में शुरू हुई थी, तब इसकी लागत 13.88 करोड़ रुपये थी। स्वाभाविक है कि जब भी किसी परियोजना में देरी होती है तो न सिर्फ लागत बढ़ जाती है बल्कि उसकी उपयोगिता पर भी सवाल उठने लगता है। ये तो बात हुई परियोजनाओं में देरी के कुछ उदाहरण की। वैसे तफ्तीश करने पर सरकारी काहिली और निकम्मी नौकरशाही की लंबी फेहरिस्त निकल आएगी।

लाख टके का सवाल यही कि इस लिजलिजी व्यवस्था से बेहतरी की उम्मीद कैसे की जाए? अब तक किसी भी परियोजना में रिकॉर्ड विलंब की जिम्मेदारी तय करने की बात कभी सामने नहीं आई। परियोजना पूरी होने के बाद गुणवत्ता पर भी बहस कम ही हुई है। तो क्या संबंधित निर्माण करने वाली संस्था और विभाग का मंत्री व अधिकारी जवाबदेह कब माना जाएगा? बटेश्वर परियोजना आपराधिक स्तर की लापरवाही की ओर इशारा है। हम अंग्रेजी शासन के उस दौर को कैसे भूल सकते हैं, जो अपने निर्माण और प्रोजेक्ट की विश्वसनीयता को लेकर बेहद संजीदा रहते थे। क्या ऐसा कुछ होगा?

मुद्दा

''मन की बात'

भारत में हर वर्ष सड़क दुर्घटना में मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है। 2015 में 400 लोगों के प्रतिदिन मौतों की तुलना में पिछले साल 2016 में भारत में सड़क दुर्घटनाओं में कम-से-कम 413 लोगों की प्रतिदिन मौत का आंकड़ा दर्ज किया गया। जबकि देश में हर रोज 13 सौ से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें चार सौ से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इनमें आधे से ज्यादा लोग 18 से 35 वर्ष की आयु के होते हैं। हाल में सड़क परिवहन मंत्रालय ने देश में 2016 में हुई सड़क दुर्घटनाओं के बारे में एक रिपोर्ट जारी करते हुए कहा है कि देश में हर दिन 1317 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 413 लोगों की मौत हो जाती है। यानी हर घंटे 55 दुर्घटनाओं में शिकार 17 लोगों की मौते हो रही हैं। यह ठीक है कि वर्ष 2015 की तुलना में वर्ष 2016 में सड़क दुर्घटनाओं में 4.1 प्रतिशत की कमी आयी है लेकिन इनमें मरने वालों लोगों की संख्या 3.2 प्रतिशत बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार 2016 में चार लाख 80 हजार 652 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें एक लाख 50 हजार 785 लोगों की मौत हुई और चार लाख 94 हजार 624 लोग घायल हुए। इन दुर्घटनाओं में मरने वाले 69 हजार 851 लोग 35 साल की उम्र के थे, जो सड़क दुर्घटनाओं में मरे लोगों का 46.3 प्रतिशत है। मृतकों में 18 से 60 साल की उम्र के लोगों की संख्या 83.3 प्रतिशत है। देश के 13 राज्यों में सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। आंकड़े साफ बयां कर रहे हैं कि रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाने और हेलमेट जैसे सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल नहीं करने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में तेजी से इजाफा हो रहा है। रिपोर्ट में जिन 13 राज्यों में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, इनमें उत्तर प्रदेश 12.8 प्रतिशत घटनाओं के साथ पहले स्थान पर, 11.4 प्रतिशत के साथ तमिलनाडु दूसरे और 8.6 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर हैं। सड़क दुर्घटनाओं में इन 13 राज्यों में ही सबसे अधिक 87.8 प्रतिशत लोग घायल हुए हैं और तमिलनाडु इस मामले में पहले स्थान पर है। अहम बात सड़क दुर्घटना रिपोर्ट में यह कहा गया है कि देश में राष्ट्रीय राजमार्गे की संख्या कुल सड़क नेटवर्क के दो फीसद के बराबर है लेकिन वर्ष 2016 के दौरान 30 प्रतिशत दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राजमार्गे पर ही हुई हैं और इन दुर्घटनाओं में 37 प्रतिशत लोगों की जान गई हैं। कई देशों ने सड़क सुरक्षा के उपाय अपनाए हैं, पर भारत जैसे देशों की इस मामले में स्थिति बताती है कि हालात दिनों-दिन खराब होते जा रहे हैं। दुर्घटनाओं में इजाफा ही हो रहा है। सिर्फ एक राज्य में नहीं, बल्कि पूरे देश की स्थिति यही है। पिछले दस साल की अवधि में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में साढ़े 42 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि में आबादी में सिर्फ साढ़े 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ज्यादातर मौतें टू-व्हीलर की दुर्घटना में हुई हैं और तेज और लापरवाह ड्राइविंग उनका कारण रही है। पिछले एक दशक के दौरान दस लाख से अधिक भारतीय देश की सड़कों पर अपना दम तोड़ चुके हैं, जो कि पूरी दुनिया में सबसे खतरनाक मानी जाती हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के मुताबिक रोड एक्सीडेंट से हर साल भारत की इकोनॉमी को जीडीपी में 3 फीसद (55,000 करोड़ रुपये या 8.2 अरब डॉलर) का नुकसान होता है। सड़क दुर्घटनाओं की संख्या और उनमें मरने वालों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि पिछले साल प्रधानमंत्री ने अपने रेडियो संदेश ''मन की बात' में भी उसका जिक्र किया था। उन्होंने दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई और लोगों की जान बचाने के लिए कदम उठाने की घोषणा की। सड़क दुर्घटना विश्वभर में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है और मरने वालों में विशेष रूप से गरीब देशों के गरीब लोगों की संख्या में अविश्वसनीय रूप से वृद्धि हुई है। हालांकि केंद्र सरकार सड़क दुर्घटनाओं की संख्या देखकर चिंतित है और इसकी रोकथाम के लिए प्रयासरत भी है। देखना है कि सरकार अपने मंसूबों में कब सफल होती है।

गैरों पर रहम और अपनों से बेरुखी!

आभा स्वामी

दोहरा रवैया विदेश से आए मुस्लिमों के लिए तो बांग्लादेशी प्रधानमंत्री की आंखों में आंसू हैं, लेकिन देश में प्रगतिशील युवकों की हत्या पर वे मौन हैं! शेख हसीना जी, सुना है आप रोहिंग्या मुसलमानों के दुख से दुखी हैं। जब पूरे विश्व का कोई भी देश इस धरती के सबसे अधिक प्रताड़ित जनसमूह को अपने यहां आश्रय देने में हिचक रहा है, तब आप उन्हें शरण दे रही हैं। इसी कारण आपकी तुलना जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल के साथ होने लगी है। भारत में तकरीबन 40 हजार रोहिंग्या मुसलमानों ने प्रवेश किया है। भारत सरकार का कहना है कि वे उसकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं, इसलिए वह उन्हें बाहर करना चाहती है। रोहिंग्या को पाकिस्तान भी शरण देने को तैयार नहीं है। अमीर मुस्लिम देश भी उन्हें शरण नहीं दे रहे। जो देश मुसलमानों के लिए मातम मनाते हैं, उन्होंने भी उनसे मुंह फेर लिया है। मुस्लिम कट्टरपंथी देश रोहिंग्या को लेकर शोर तो मचा रहे हैं, पर वे उन्हें शरण नहीं दे रहे। बांग्लादेश जैसे गरीब देश को अंतिम घड़ी में आगे आना पड़ा। शेख हसीना जी, रोहिंग्या मुसलमानों को शरण देने के लिए आपको नोबेल पुरस्कार देने की मांग उठी है। वैसे नोबेल पुरस्कार मुझे मुग्ध नहीं करता। कई अयोग्य व्यक्तियों को नोबेल पुरस्कार दिया गया है। हेनरी किसिंजर जैसे अशांतिप्रिय शख्स को भी नोबेल दिया गया और आंग सान सू की जैसी मानवाधिकार में विश्वास न करने वाली महिला को भी। पुरस्कार पाने के उद्देश्य से कोई अच्छा कार्य करना और पुरस्कार पाने की अभिलाषा के बिना असहाय लोगों के साथ नि:स्वार्थ भाव से खड़ा होना, दोनों अलग बातें हैं। हम लोगों को विश्वास है कि आप पुरस्कार की उम्मीद लिए पीड़ित लोगों का साथ नहीं दे रही हैं। सच कहूं तो लोगों का प्रेम ही आपका सबसे बड़ा पुरस्कार है।

धरती के सबसे उत्पीड़ित और निराश्रित लोगों का जो प्रेम आपको मिला है, उसके सामने नोबेल भी तुच्छ है। अरब के लाखों असहाय शरणार्थियों के लिए अरब देशों के ही दरवाजे बंद होने पर वे यूरोप के देशों में शरण ले रहे हैं। मुस्लिम शरणार्थियों को आश्रय गैर-इस्लामिक देश देते हैं, परंतु एक मुस्लिम देश की ओर से सिर्फ आपने ही यह दिखाया कि एक मुस्लिम देश भी लाखों प्रताड़ित मुसलमानों को आश्रय दे सकता है। आप कह रही हैं कि म्यांमार रोहिंग्या को वापस ले और उन्हें नागरिकता और सुरक्षा दे, परंतु आप भी जानती हैं कि कितनी भी कोशिश क्यों न कर लें, म्यांमार रोहिंग्या को वापस नहीं लेगा। वे लोग बांग्लादेश में ही रहते हुए अपने वंश का विस्तार करेंगे। अभाव से जूझने वाला एक विशाल जनसमूह चोरी, डकैती, लूटमार और मादक पदार्थों की बिक्री करेगा या फिर आतंकी समूह? कुछ लोग कह रहे हैं कि आप वोटों की खातिर रोहिंग्या को शरण दे रही हैं।

मुस्लिम वोट पाने का औजार हैं भी। रोहिंग्या यदि हिंदू या बौद्ध होते तो क्या आप उन्हें शरण देतीं? संभवत: नहीं। देश के भीतर ही हिंदू नागरिकों पर अत्याचार हो रहे हैं और वे अपनी जमीन से ही बेदखल हो रहे हैं। उनके घर-बार जलाकर उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। क्या आप इन हिंदुओं के पास गईं और आंखों से आंसू का एक कतरा भी बहाया? आप ब्लॉगरों की हत्या पर संवेदना भी व्यक्त नहीं करतीं, लेकिन दूसरे देश से आए शरणार्थियों के लिए पूरा प्रेम छलका रही हैं। वे मुसलमान हैं, इसीलिए आप ऐसा कर रही हैं। आप सिर्फ चुनाव जीतना चाहती हैं। सिर्फ शासन करना चाहती हैं। आखिर जो छल-बल से सिर्फ अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं, उन्हें मुक्त स्वर में मानवतावादी कैसे बोला जाए?

'हसीना' में तो नहीं लगा है दाऊद का पैसा, मुंबई पुलिस के पास मामला

बता दें कि यह फिल्म अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर पर केंद्रित हैं। फिल्म में हसीना पारकर और दाउद के रिश्ते की बात की गई है। दोनों भाई-बहन का रिश्ता बहुत मजबूत माना जाता था।

'शूटआउट एट लोखंडवाला' बनाने वाले अपूर्व लाखिया ने श्रद्धा को 'हसीना पारकर' बना तो दिया लेकिन उनकी यह फिल्म बुरी वजहों से चर्चा में है। दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कास्कर को फिरौती के मामले में गिरफ्तार करने के बाद अब मुंबई के थाणे पुलिस इस जांच में जुटी है कि 'हसीना' में भी यही पैसा तो उपयोग में नहीं लाया गया है। यह फिल्म कल यानी शुक्रवार को रिलीज होना है। बता दें कि यह फिल्म अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर पर केंद्रित हैं। फिल्म में हसीना पारकर और दाउद के रिश्ते की बात की गई है। दोनों भाई-बहन का रिश्ता बहुत मजबूत माना जाता था। थाणे के कमिश्नर परमबीर सिंह का कहना है 'यह गैंग पहले भी फिरौती की रकम का उपयोग फिल्मों को फायनेंस करने में करता रहा है। अब हम जांच कर रहे हैं कि हाल ही में ऐसा तो नहीं किया गया है।' बता दें कि पिछले साल नवंबर में दाऊद का परिवार इस फिल्म के सेट पर श्रद्धा कपूर से मिलने पहुंचा था। फिल्म में दाउद इब्राहिम का किरदार सिद्धांत कपूर निभा रहे हैं जो कि रियल लाइफ में भी श्रद्धा के भाई हैं। पहले श्रद्धा कपूर की इस फिल्म का नाम 'हसीना – द क्वीन ऑफ मुंबई' था, अब इसे 'हसीना पारकर' कर दिया गया है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट पहले 14 जुलाई 2017 तय की गई थी। इसके बाद इसे 18 अगस्त के लिए तय किया गया है। अब यह 22 सितंबर को लग रही है।

दीपिका नहीं है 'रेस 3' में, अभी भी तय नहीं सलमान की हीरोइन

पिछले दिनों खबर थी कि दीपिका पादुकोण, सलमान खान स्टारर फिल्म 'रेस 3' में लीडिंग लेडी होंगी। दीपिका ने हाल ही में एक बातचीत में इशारा किया है कि वे खुशी-खुशी सलमान खान की फिल्म का हिस्सा बनने को तैयार हैं लेकिन फिलहाल उन्हें फिल्म ऑफर हुई नहीं है। कहा जा रहा है कि सलमान की इस रेस में अब कटरीना भी हैं। खबरी ने बताया ' इस फिल्म के लिए सलमान ने अपनी खास दोस्त कटरीना कैफ का नाम सुझाया है। सलमान के साथ कटरीना की जोड़ी हिट मानी जाती रही है। दोनों फिलहाल 'टाइगर जिंदा है' में भी साथ काम कर रहे हैं। कटरीना, रेस के पहले भाग का हिस्सा रही हैं, इसलिए फिल्म के मेकर्स उन्हें बोर्ड पर लाने की कोशिश कर रहे हैं।' दूसरी तरफ खबरें यह भी हैं कि दीपिका अब उन फिल्मों को करने में ही दिलचस्पी ले रही हैं, जिनमें उन्हें सेंट्रल करेक्टर निभाने का मौका मिले। वो 'रेस 2' का हिस्सा थीं लेकिन अब उनके का... चुनाव में अंतर आ गया है। पिछले दिनों ये भी खबरें थीं दीपिका और कटरीना... एल राय की फिल्म में साथ आ सकती हैं लेकिन बाद में दीपिका ने अपने... लिये थे और अनुष्का की एंट्री हो गई। अब देखना है कि सलमान की ...स में बाज़ी कौन मारता है।

इस फिल्म के लिए सलमान ने अपनी खास दोस्त कटरीना कैफ का नाम सुझाया है। सलमान के साथ कटरीना की जोड़ी हिट मानी जाती रही है। दोनों फिलहाल 'टाइगर जिंदा है' में भी साथ काम कर रहे हैं।

सारा अली ख़ान के नखरों से परेशान हो रहे निर्देशक

'वे फिल्म के सेट पर वक्त पर नहीं पहुंच रही हैं। यही नहीं, वह अपने अभिनय से अधिक इन बातों को ज्यादा तवज्जो दे रही हैं कि उनके कपड़े और गहने सही तरीके से हैं या नहीं।

सैफअली खान की बेटी सारा अली खान इन दिनों अपनी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'केदारनाथ' की शूटिंग कर रही हैं।खबर है कि सारा अली खान की यह पहली फिल्म है लेकिन उनके नखरे अभी से किसी ए लिस्टर्स अभिनेत्रियों से कम नहीं दिख रहे हैं। खबरी ने बताया 'वे फिल्म के सेट पर वक्त पर नहीं पहुंच रही हैं। यही नहीं, वह अपने अभिनय से अधिक इन बातों को ज्यादा तवज्जो दे रही हैं कि उनके कपड़े और गहने सही तरीके से हैं या नहीं। वह उन्हें लेकर अधिक कॉन्शियस हो रही हैं। ऐसे में फिल्म के निर्देशक अभिषेक कपूर जब उनसे फोन पर संपर्क करने की भी कोशिश कर रहे हैं तो उनका फोन काफी व्यस्त रहता है। अभिषेक भी उनसे नाराज हो रहे हैं। वही दूसरी तरफ सुशांत बिल्कुल प्रोफेशनल की तरह शूटिंग पर ध्यान दे रहे हैं। सो, फिल्म के क्रू सारा को लेकर परेशान हो रहे हैं और वह आपस में यही बातें करते रहते हैं कि पहली फिल्म से ही सारा इतने नखरे कर रही हैं, न जाने आगे क्या होगा।' बता दें कि इसमें सुशांत सिंह राजपूत लीड रोल में हैं। यह एक प्रेम कहानी है। सुशांत और सारा स्टारर फिल्म 'केदारनाथ' अगले साल जून में रिलीज़ होगी। यह सारा की डेब्यू फिल्म है। सारा थोड़ी देर से डेब्यू कर रही हैं। इंडस्ट्री में 23 साल की उम्र तक का इंतज़ार लंबा माना जाता है। सैफ अली खान की इच्छा थी कि सारा पहले अपनी पढ़ाई पूरी करे उसके बाद ही फिल्मों का रुख करें, इस वजह से देर हुई। बता दें की सारा ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया है।

'सिमरन' तो हो ही गई फ्लाप, आधी लागत भी नहीं वसूल पाई

'लखनऊ सेंट्रल' को सिर्फ 2.04 करोड़ की कमाई हुई थी। बताया जाता है कि 'सिमरन' पर प्रचार का खर्च मिला कर कुल 30 करोड़ रुपए की लागत आई है। हालांकि कंगना की पिछली फिल्मों का हाल बुरा ही रहा गई। 'रंगून' और 'कट्टी बट्टी' ने पांच करोड़ के आसपास की ओपनिंग ली थी

'सिमरन' का टिकट खिड़की पर वक्त ठीक ही गुजर रहा है। कोई खास कमाई अभी तक जेब में नहीं आई है। छह दिन में फिल्म के पास 15 करोड़ रुपए भी नहीं हैं। यानी आधी लागत भी नहीं वसूल हो पाई है। इस हफ्ते कई फिल्में रिलीज होंगी, उनके आने के बाद तो हाल और बुरे होंगे इसलिए हालात ठीक नहीं हैं। आम दिनों में यह फिल्म सवा करोड़ रुपए रोज ही कमा पा रही है। बुधवार को मिले 1.25 करोड़ के बाद इसकी कुल कमाई 14.47 करोड़ रुपए हो गई है। इसको रिव्यूज तो ठीक-ठाक मिले हैं, मगर लोगों को यह कम जमी। दो घंटे से कुछ अधिक अवधि की ये फिल्म 1800 से अधिक स्क्रीन्स में रिलीज़ हुई है। इस लिहाज से यह कम से कम 12 करोड़ रुपए रोज कमाने की ताकत रखती है। अभी तक की कमाई को औसत माना जा सकता है। इसमें मार्क जस्टिस, सोहम शाह, ईशा तिवारी पांडे और अनीशा जोशी की भी खास भूमिकाएं हैं। असली कहानी जिस सिमरन की है वो कंगना रनौत हैं। बड़े परदे की ये 'रिवाल्वर रानी' अपने दम पर फिल्म हिट करवाने में महारथी हैं। फरहान अख्तर की 'लखनऊ सेंट्रल' से सीधा मुकाबला करने वाली यह फिल्म पहले दिन की कमाई में बाजी मार गई है। 'लखनऊ सेंट्रल' को सिर्फ 2.04 करोड़ की कमाई हुई थी। बताया जाता है कि 'सिमरन' पर प्रचार का खर्च मिला कर कुल 30 करोड़ रुपए की लागत आई है। हालांकि कंगना की पिछली फिल्मों का हाल बुरा ही रहा गई। 'रंगून' और 'कट्टी बट्टी' ने पांच करोड़ के आसपास की ओपनिंग ली थी, फिर भी दोनों ही फ्लॉप थीं।

गोलमाल अगेन' के पहले पोस्टर में नीबू की माला

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन एक बार दर्शकों को हंसाने के लिए 'गोलमाल' करने जा रहे हैं। एक बार फिर से सोशल मीडिया पर 'गोलमाल अगेन' को लेकर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि 22 सितंबर को इसका ट्रेलर जो जारी होना है। फिलहाल आया है एक पोस्टर, जिसमें पहली बार इसके खास कलाकारों की शक्लें दिखाई गई हैं। अजय देवगन, कुणाल खेमू, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े और अरशद वारसी को इसमें देखा जा सकता है। जिस तरह से तीनों ने नीबू की माला पहनी है, लग रहा है कोई टोटके का मामला है। इस बार 'गोलमाल' करने वाली टीम में नए चेहरों के तौर पर तब्बू और परिणीति चोपड़ा भी हैं। यह पहला मौका होगा जब तब्बू फुल कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनी नजर आएंगी। यह फिल्म 'गोलमाल' का चौथा भाग होगा जो जल्द ही दर्शकों के बीच होगा। इसकी शूटिंग कई महीनों से चल रही थी। मुंबई और हैदराबाद में ज्यादातर काम हुआ।

पाटीदारों ने भाजपा के खिलाफ छेड़ा '144' का अभियान

अहमदाबाद (ईएमएस)। आरक्षण की मांग को लेकर पिछले दो साल से आंदोलनरत पाटीदारों ने अब भाजपा के खिलाफ "दफा 144" का अभियान छेड़ दिया है और गांवों में भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं को प्रवेश नहीं करने देनेकी लोगों से अपील की है।

पिछले ढाई साल से आरक्षण की मांग को लेकर गुजरात की भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलनरत पाटीदारों को बातचीत के लिए बुलाने की तैयारी कर रही है। दूसरी ओर पाटीदारों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नया अभियान शुरू कर दिया है। जिसमें पाटीदारों ने अब प्रत्येक गांव में भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं का विरोध करने की योजना बनाई है। इसके अंतर्गत प्रत्येक गांव के प्रवेश द्वार पर बैनर लगाया गया है, जिसमें लिखा "हमारे गांव में भाजपा के खिलाफ दफा 144 लागू है" । साथ ही प्रत्येक गांव में अल्पाचारी भाजपा के खिलाफ ऐसे बैनर लगाने की पाटीदारों से अपील भी की जा रही ह। गुजरात में पिछले दो साल से भी ज्यादा समय से आरक्षण की मांग कर रहे पाटीदार इससे पहले भी भाजपा सरकार के अनेक सार्वजनिक कार्यक्रमों का जोरदार विरोध कर गिरफ्तारी दे चुके हैं। इसके बावजूद पाटीदारों का आंदोलन दिन ब दिन उग्र होता जा रहा है और सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। जिससे निपटने के लिए सरकार पाटीदारों से चर्चा के लिए अलग अलग संस्थाओं से बातचीत कर रही है, परंतु इस समस्या का आज तक समाधान नहीं हुआ।

महिला वकीलों ने काला कोट उतारकर चणियांचोली में खेला गरबा

सूरत। द सूरत डिस्ट्रिक्ट लेडी एडवोट्स एक्टिव कमेटी द्वारा गरबा का आयोजन किया गया, जिसमें कोर्ट परिसर में काले कोट में दिखाई देने वाली महिला वकील चणियांचोली में गरबा खेलते हुए दिखाई दी। फार्च यून मॉल गेलेक्सी सर्कल के पास पाल रोड में आयोजित गरबा में महिला वकीलों ने मन-भरकर गरबा खेला। एडवोकेट प्रीति जोशी ने बताया कि हमारे लिए यह एक नया ही अनुभव था। जिसमें हम सबने मां की आराधना गरबे के माध्यम से की।

सुषमा स्वराज की मौजूदगी में 14 अक्टूबर को भाजपा का 'महिला टाउन होल' कार्यक्रम

अहमदाबाद (ईएमएस)। भाजपाध्यक्ष अमित शाह के युवा टाउन कार्यक्रम के बाद भाजपा ने अब केन्द्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की उपस्थिति में आगामी 14 अक्टूबर को महिला टाउन होल कार्यक्रम का आयोजन किया है। जिसके जरिए भाजपा महिलाओं में अपनी पकड़ मजबूत करेगी।

गुजरात विधानसभा चुनाव की भाजपा ने तैयारियां तेज कर दी है। इसके अंतर्गत हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने युवा टाउन होल के तहत वीडियो कोफ्रेंसिंग के जरिए राज्यभर में करी डेढ़ लाख से ज्यादा युवाओं से सीधे संवाद कर उनके सवालों के जवाब दिए थे। इसकी सफलता से उत्साहित भाजपा ने अब समाज के अलग अलग वर्गों को टाउन होल कार्यक्रम के जरिए पार्टी से जोड़ने का प्रयास तेज कर दिया है। भाजपा अब 14 अक्टूबर को केन्द्रीय मंत्री सुषमा स्वराज के अगुवाई में महिला टाउन कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। जिसके माध्यम से भाजपा अपने चुनावोन्मुख अभियान महिलाओं तक पहुंचाएगी। साथ ही महिला संबंधी घोषणा और योजनाओं का ब्यौरा भी इस कार्यक्रम के जरिए महिलाओं तक पहुंचाएगी। गौरतलब है गुजरात में कुल मतदाताओं में करीब 45 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं का है। महिलाओं को रिझाने के लिए भाजपा अपनी महिला विंग का उपयोग करेगी और उनके माध्यम से अहमदाबाद में होनेवाले महिला टाउन होल के जरिए महिलाओं तक बात पहुंचाएगी। गुजरात विधानसभा चुनाव और मतदान प्रक्रिया में महिला मतदाताओं की अहमियत को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

बुजुर्गों के लिए श्रवण बनने को तैयार है सरकार: मुख्यमंत्री

राजकोट (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शुक्रवार को राजकोट में वरिष्ठ नागरिकों को साधन-सहायता वितरण के कार्यक्रम में कहा कि बुजुर्गों की सेवा करना हरेक व्यक्ति का मुख्य कर्तव्य है। हर संतान की इच्छा होती है कि मां-बाप की छत्रछाया में उसका जीवन व्यतीत हो, राज्य सरकार भी बुजुर्गों के लिए श्रवण बनने को हमेशा तैयार है। इसके लिए राज्य सरकार ने कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि, "वरिष्ठ नागरिकों के आज के इस कार्यक्रम में मैं आपका बेटा बनकर आया हूं और आपका सम्मान करते हुए स्वयं को गौरवांवित महसूस कर रहा हूं।" राजकोट स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर में आयोजित समारोह में श्री रूपाणी ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम छोर के व्यक्ति के सर्वांगीण उत्थान के लिए हमेशा कटिबद्ध है। इस बारे में सरकार की संवेदनशीलता का एहसास लोगों को भी हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में किसी को भी लाचारगी का जीवन न जीना पड़े इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। इसलिए ही राहत दरों पर दवाइयां उपलब्ध कराने को समग्र राज्य में जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स शुरू किए गए हैं और यह प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विधवा बहनों की पेंशन की रकम को दोगुना कर दिया है तथा राज्य में श्रमजीवियों के लिए सिर्फ १० रुपये में पोषण युक्त भरपेट भोजन देने की योजना लागू की है, जिसे व्यापक समर्थन मिल रहा है। इसी तरह, समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के लिए राहत दर पर अनाज आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है तथा बुजुर्गों को तीर्थयात्रा पर जाने के लिए सरकार ने श्रवण तीर्थ यात्रा योजना शुरू की है। रूपाणी ने कहा कि उच्च शिक्षा की सुविधा में बढ़ोतरी के लिए सक्रिय राज्य सरकार ने राजकोट में १०६.७० करोड़ रुपये की लागत से अति आधुनिक एवं सुविधायुक्त कुमार एवं कन्या छात्रालय बनाया गया है, जिसका लाभ उठाते हुए छात्र उच्च अभ्यास कर रहे हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने दाताओं का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी एवं उपस्थित महानुभावों ने राजकोट जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ११ लाभार्थियों को टोकन रूप में साधन-सहायता का वितरण किया। इस वितरण कैम्प में ४५०० से अधिक बीपीएल श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को साधन-सहायता वितरीत की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के ५१४ लाख रुपये के खर्च से तैयार आधुनिक आदर्श निवासी कन्या छात्रालय संकुल तथा विकसती जाति कल्याण विभाग के ५७६.७६ लाख रुपये के खर्च से निर्माणाधीन श्री महात्मा गांधी आदर्श निवासी कुमार शाला के नए संकुलों का लोकार्पण भी किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री आत्माराम परमार ने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के छात्रों को उच्च एवं श्रेष्ठ सुविधा मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की हैं। परमार ने कहा कि असहाय बच्चों के जीवन-निर्माण के लिए उनका लालन-पालन करने वाले को राज्य सरकार द्वारा ३ हजार रुपये की सहायता दी जाती है। उपस्थित अभिभावकों से अपने बच्चों को शिक्षति करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षति होना अनिवार्य है। शिक्षा के लिए सभी सुविधाएं मुहैया कराने को राज्य सरकार सक्रिय है।

नवरात्रि में पति-पत्नी के बीच बढ़ जाता है शक, 60 हजार रु. में करा रहे जासूसी

सूरत. गरबा शुरू होते ही प्राइवेट जासूस व्यस्त हो गए हैं। पति अपनी पत्नी, पत्नी अपने पति और माता-पिता अपने बेटे-बेटियों की जासूसी कराने के लिए प्राइवेट जासूसों को हायर किया है। शहर में जहां पर भी गरबा का आयोजन किया गया है वहां गरबा खेलने वालों के इर्द-गिर्द प्राइवेट जासूस भी मंडराते रहेंगे। प्राइवेट जासूस इस काम के 30 हजार से 60 हजार रुपए तक वसूल रहे हैं। जासूस बताते हैं कि कई बार ऐसा हुआ है कि लोग गरबा खेलने के बहाने बना कर अपने प्रेमी-प्रेमिका से मिलने पहुंच जाते हैं। कई बार पकड़े जाने पर माफी से काम चल जाता है, लेकिन कई बार मामला बढ़ जाता है। हायर कर रहे हैं प्राइवेट जासूस...

वेसू स्थित प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसी सेवेंथ सेंस ग्रुप के डायरेक्टर प्रकाश प्रजापति ने बताया कि नवरात्रि के दिनों में देर रात तक गरबा में रहने से पति और पत्नी के बीच शक बढ़ जाता है। इसलिए वे नजर रखने के लिए और माता-पिता अपने बच्चों के लिए प्राइवेट जासूस हायर करते हैं।

नवरात्रि में पति-पत्नी के बीच बढ़ जाता है शक

प्रकाश बताते हैं कि आमतौर पर कई पति और पत्नी के बीच शक अन्य दिनों में भी होता है, लेकिन नवरात्रि के दौरान यह बढ़ जाता है। पिछले कई सालों से पति और पत्नी के बीच शक की दीवार चौड़ी हो रही है। कई दंपती विवाहेतर संबंधों के शक में एक-दूसरे की जासूसी करवाते हैं। ऐसे मामलों की जासूसी करने में नवरात्रि के नौ दिन तक शहर के प्राइवेट जासूस व्यस्त रहते हैं।

कई बार जासूसी से पति-पत्नी में प्यार भी बढ़ता है

प्रकाश ने बताया कि कई बार जासूसी करवाने से पति-पत्नी के बीच शक दूर भी हो जाता है और दोनों एक-दूसरे पर ज्यादा भरोसा करने लगते हैं। उनका परिवार भी बिखरने से बच जाता है। कई बार माफी मांगने से मामले खत्म हो जाता है।

गरबा खेलने के बहाने प्रेमी से मिलने गई पत्नी

प्रकाश बताते हैं कि एक बार एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की जासूसी करवाई। वह महिला गरबा खेलने के बहाने प्रेमी से मिलने जाती थी। हमने उसके पति को इस बात की जानकारी दी तो वह अपने रिश्तेदारों के साथ पहुंचा और दोनों की पिटाई की।

जासूसी की फीस 35 से 60 हजार तक

माता-पिता द्वारा अपने बच्चों की जासूसी करवाने के मामले हालांकि कम आते हैं, लेकिन पति-पत्नी द्वारा एक-दूसरे की जासूसी

पार्षद ने गाली दी, अब काशी जाकर करेंगे शुद्धिकरण, सबसे मांग रहे सिर्फ 1 रुपया

सूरत. सूरत से सटे कनकपुर के अनिल रमानंदी इन दिनों घर-घर जाकर भिक्षा मांग रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें पार्षद मेहुल पटेल ने गाली दी थी, जिससे वह अपवित्र हो गए हैं। अब शुद्धिकरण के लिए काशी जाकर गंगा स्नान करेंगे। काशी यात्रा के लिए लोगों से भिक्षा मांग रहे हैं। ब्रह्मण के भेष में घर-घर जाकर वह सिर्फ एक रुपया मांग रहे हैं। रमानंदी का कहना है कि वह पार्षद की गाली को धोने के लिए काशी जाकर गंगा स्नान करेंगे। शिकायत की तो गाली देने लगे...

नगर पालिका के काम काज से खफा अनिल रमानंदी ने जब अपनी शिकायत नगर पालिका के उप प्रमुख मेहुल पटेल से फोन पर की तो वह उन्हें गाली देने लगे। इस घटना का ऑडियो वायरल हो गया है। मेहुल पटेल का विरोध करने के लिए अनिल ने यह तरीका निकाला। उन्होंने पहले मेहुल पटेल का गाली के बदले फूलों से सम्मान किया। इसके बाद भी उन्हें संतुष्टि नहीं मिली तो शुक्रवार को वह भिक्षा मांगने निकल पड़े।

पार्षद की गाली धोने काशी जाऊंगा

अनिल रमानंदी ने कहा कि मैं गरीब आदमी हूं, पार्षद की गाली धोने के लिए काशी जाकर गंगा स्नान करूंगा। इसके लिए मैं घर-घर जा सिर्फ एक रुपया मांग रहा हूं। दूसरी तरफ मेहुल पटेल ने कहा कि मैंने उस व्यक्ति को उसकी भाषा में जवाब दिया था। उसने व्यक्तिगत रूप से मुझे गाली दी थी। वह मामले को जबरदस्ती बढ़ा रहा है। कुछ कांग्रेस उसे उकसा रहे हैं।

सरकार का हार्दिक और लालजी पटेल समेत 100 पाटीदार अग्रणियों को न्यौता

अहमदाबाद (ईएमएस)। राज्य में धीरे धीरे सुलग रहे पाटीदार आंदोलन को पूरी तरह से शांत करने के लिए गुजरात सरकार ने कवायद तेज कर दी है। राज्य सरकार ने आगामी 26 सितंबर को पाटीदार अग्रणियों के साथ बातचीत करने का फैसला किया है। जिसमें पास संयोजक हार्दिक पटेल और एसपीजी के अध्यक्ष लालजी पटेल समेत पाटीदारों की 6 संस्थाओं के 100 जितने अग्रणियों को चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया है।

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस ने मतदाताओं को रिझाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। एक ओर कांग्रेस ने सरकार विरोधी तत्त्वों को लोगों के समक्ष ले जाने की तैयारी की है, वहीं दूसरी ओर सरकार ने आगामी चुनाव में मुश्किलें पैदा करने वाली समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सरकार के लिए इस दफा पाटीदार आरक्षण का मुद्दा सबसे बड़ी मुसीबत बन सकता है। पाटीदार आरक्षण को लेकर अतीत में सरकार और पाटीदार समाज के लोग आमने सामने आ गए थे। वर्तमान में भी पाटीदार आरक्षण आंदोलन धीरे धीरे सुलग रहा है और सरकार को चुनौती दे रहा है। जिसे देखते हुए सरकार आगामी चुनाव में कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहती। भाजपा सरकार ने राज्य में पाटीदार आंदोलन को पूरी तरह से खत्म करने के उद्देश्य से नई रणनीति बनाई है। जिसके तहत भाजपा सरकार आगामी 26 सितंबर को पाटीदार समाज के 100 जितने अग्रणियों के साथ बैठक करेगी।

नवरात्रि से मिली गुजरात को वैश्विक पहचान: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुरुवार को अहमदाबाद में गुजरात पर्यटन निगम की ओर से आयोजित नवरात्रि महोत्सव-२०१७ का रंगारंग शुभारंभ करते हुए कहा कि नवरात्रि महोत्सव से गुजरात को वैश्विक पहचान मिली है। राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य भूपेन्द्रसिंह चुड़ास्मा, गणपतभाई वसावा, वल्लभभाई काकड़िया, निर्मलाबेन वाधवाणी तथा महापौर गौतमभाई शाह एवं अग्रणियों की उपस्थिति मे दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात के गरबा उत्सव ने रोजमर्रे के जनजीवन को नई प्रेरणा और वाइब्रेंसी दी है।

उन्होंने कहा कि यह पर्व रोजगार सृजन एवं हस्तकला कारीगरों की आजीविका का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि इस पर्व में गुजरात का समाज-जीवन जात-पात, ऊंच-नीच और अमीर-गरीब का भेद भूल जाता है। यह पर्व सभी को नृत्योत्सव से जोड़ने वाला और सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को साकार करने वाला पर्व है। इस मौके पर पर्यटन मंत्री श्री गणपतभाई वसावा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि गुजरात में उत्सव समाज-जीवन के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म में शक्ति पूजा का अनोखा महात्म्य है। अनुष्ठान और पूजा से शक्ति की आराधना करने का त्योहार नवरात्रि है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com